



Kunal



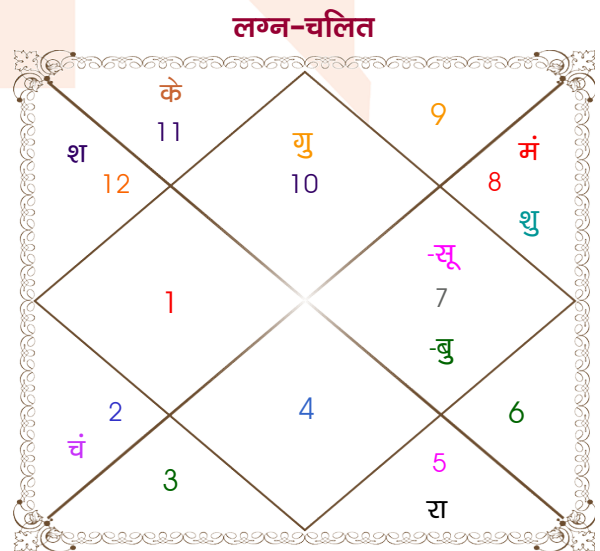
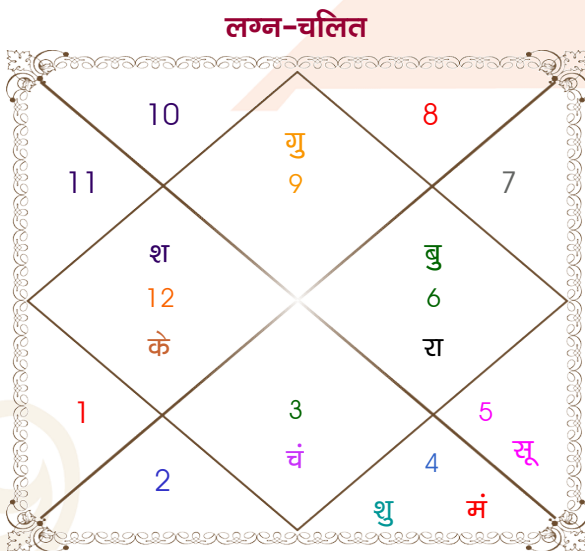
Vandana Walecha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121790106

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 06/09/1996 : _____ जन्म तिथि _____ : 19/10/1997
 शुक्रवार : _____ दिन _____ : रविवार
 घंटे 14:07:00 : _____ जन्म समय _____ : 13:30:00 घंटे
 घटी 20:13:36 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 17:46:01 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Palwal : _____ स्थान _____ : Palwal
 28:09:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 28:09:00 उत्तर
 77:20:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 77:20:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:20:40 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:20:40 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:01:33 : _____ सूर्योदय _____ : 06:23:35
 18:35:51 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:47:28
 23:48:42 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:49:30

विंशोत्तरी राहु 16वर्ष 6मा 9दि गुरु 17/03/2013 17/03/2029	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी चन्द्र 6वर्ष 0मा 0दि राहु 20/10/2010 20/10/2028
गुरु	06/05/2015	05:10:16	धनु	लग्न	मक	08:01:00
शनि	16/11/2017	20:12:51	सिंह	सूर्य	तुला	02:08:44
बुध	22/02/2020	07:45:30	मिथु	चंद्र	वृष	15:19:49
केतु	28/01/2021	04:00:04	कर्क	मंगल	वृश्चि	20:43:04
शुक्र	29/09/2023	09:26:55	कन्या व	बुध	तुला	05:53:28
सूर्य	17/07/2024	14:01:13	धनु	गुरु	मक	18:28:21
चन्द्र	16/11/2025	05:16:51	कर्क	शुक्र	वृश्चि	18:16:50
मंगल	23/10/2026	11:41:27	मीन व	शनि व	मीन	22:21:56
राहु	17/03/2029	14:28:40	कन्या व	राहु व	सिंह	25:20:42
		14:28:40	मीन व	केतु व	कुंभ	25:20:42
		07:16:56	मक व	हर्ष	मक	10:55:18
		01:24:27	मक व	नेप	मक	03:23:04
		06:43:24	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	10:11:02
					मंगल	20/10/2028



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

ज्ञनदंस का वर्ग मार्जार है तथा टंदकंदॅसमर्बी का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ज्ञनदंस और टंदकंदॅसमर्बी का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ज्ञनदंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ज्ञनदंस कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

टंदकंदॅसमर्बी मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।

तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुण्डली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुण्डली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु टंदकंदॅसमर्बी कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष

कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि टंदकंदे समर्बी कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ज्ञानदंस तथा टंदकंदे समर्बी में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

